मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 248, मुंबई, बुधवार, 16 नवंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

एसपी महाराष्ट्र अध्यक्ष अबू आसिम आजमी की बढ़ीं मुश्किलें

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। हाल ही में एक कार्रवाई में, आयकर विभाग ने समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र के अध्यक्ष अबू आसिम आजमी के करीबी सहयोगियों के घर और कार्यालयों से संबंधित वाराणसी, कानपुर, लखनऊ, मुंबई और कोलकाता में 30 स्थानों पर छापे मारे हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

यूपी से महाराष्ट्र और कोलकाता तक 30 ठिकानों पर

आयकर विभाग की RAID

बेनामी संपत्ति और कालेधन के आरोपों पर जांच

बताया जा रहा है कि यह छापेमारी बेनामी संपत्ति और कालेधन से जुडे.आरोपों को लेकर की जा रही है। इस छापेमारी में सपा नेता अबु आजमी के ठिकानों के साथ साथ आईटी की टीम उनकी करीबी आभा गुप्ता के ठिकानों पर भी छापेमारी कर रही है।

क्यों की जा रही रेड ?

आरोपों के मुताबिक, सपा नेता अबु आजमी के करीबी गणेश गुप्ता की पत्नी आभा गुप्ता द्वारा कंपनी में भारी बेनामी निवेश किया गया है। इसी क्रम में वाराणसी में भी ताबड़तोड़ छापेमारी जारी है यहां बिल्डर और रेडीमेड कपड़ो के कारोबारी के यहां छापेमारी की जा रही है।

200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैकलीन को बड़ी राहत

मुंबई। कॉनमैन सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फिल्म अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस को बड़ी राहत मिली है। मंगलवार को पटियाला हाउस कोर्ट ने अभिनेत्री को 2 लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि का एक जमानतदार पेश करने की शर्त पर जमानत दे दी। इस मामले में जैकलीन पहले से ही अंतरिम जमानत पर बाहर थीं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

अडानी को एनडीटीवी के 26 फीसदी अतिरिक्त शेयर खरीदने की मंजूरी

एक शेयर का मूल्य 294 रुपये तय

नई दिल्ली। शेयर बाजार नियामक सेबी ने अडानी समूह को मीडिया कंपनी न्यू डेल्ही टेलीविजन (एनडीटीवी) के 26 फीसदी अतिरिक्त शेयर खरीदने के लिए ओपन ऑफर लाने की मंजूरी दे दी है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

एनडीटीवी में 55 फीसदी होगी अडानी की हिस्सेदारी

मुंबई हलचल
जरूरी सूचना

सभी को सुचित किया जाता है कि अगर दै. मुंबई हलचल के नाम पर कोई व्यक्ति संवाददाता बता कर आपसे कोई भी गलत व्यवहार करता है तो आप तुरंत अपने स्थनीय पुलिस स्टेशन में जाकर उस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराये, अगर आप उस व्यक्ति से कोई लेन-देन करते हैं तो उसका जिम्मेदार आप खुद होंगे.

धन्यवाद...संपादक

आप दै. मुंबई हलचल के कार्यालय में नीचे दिये गये नंबर पर संपर्क कर सकते हैं
9820961360

दिल्ली हाईकोर्ट से उद्धव ठाकरे को झटका

शिवसेना के नाम-चुनाव चिन्ह पर ईसी के फैसले के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली\मुंबई। दिल्ली हाईकोर्ट ने शिवसेना पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर रोक लगाने के चुनाव आयोग के अंतरिम आदेश के खिलाफ दायर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। जस्टिस संजीव नरूला ने कहा कि यह शिवसेना के दोनों गुटों और आम लोगों के हित में होगा कि शिवसेना के धनुष और तीर के चुनाव चिन्ह और नाम के इस्तेमाल पर आयोग की कार्यवाही जल्द ही समाप्त हो। हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग से इस मुद्दे पर जल्द से जल्द फैसला करने को कहा। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

शिंदे गुट ने शिवसेना पर ठोका दावा

इसके बाद शिंदे गुट ने पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह पर दावा करते हुए कहा कि वही असली शिवसेना है। आयोग ने आठ अक्टूबर को अपने अंतरिम आदेश में ठाकरे और शिंदे की अगुवाई वाले शिवसेना के दोनों गुटों को मुंबई की अंधेरी सीट के उपचुनाव के दौरान पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह इस्तेमाल करने से रोक दिया था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

घटती महंगाई

यह सुखद है कि 19 महीने के बाद थोक महंगाई दर में गिरावट दर्ज की गई है और यह अक्तूबर महीने में घटकर 8.39 पर आ गई है। खुदरा महंगाई दर में भी कमी का रुख उत्साहवर्द्धक है। गौर करने की बात है, लगभग पिछले साल से ही महंगाई बढ़ती चली आ रही थी, बार-बार चिंता जताई जा रही थी और भारतीय रिजर्व बैंक ने भी मौद्रिक नीति में समय-समय पर बदलाव किए हैं, अब परिणाम सामने हैं। इससे पहले मार्च, 2021 में महंगाई दर 7.89 प्रतिशत पर थी, आगामी महीनों में महंगाई दर के और घटने का अनुमान है। भारतीय अर्थव्यवस्था और अधिकतर लोगों के हित में यह जरूरी है कि महंगाई न केवल कम हो, बल्कि छह प्रतिशत के आसपास रहे। आमतौर पर दो प्रतिशत से छह प्रतिशत की महंगाई दर होनी चाहिए, उससे ऊपर जब दर चढ़ती है, तो न केवल आम लोगों, बल्कि उद्योग-धंधों को भी मुश्किल में डालती है। अब चूंकि थोक महंगाई दर दो अंकों से नीचे आई है, तो यह आशा बलवती हुई है कि आने वाले महीनों में राहत महसूस होगी। वैसे थोक मुद्रास्फीति दर में लगभग पांच अंकों का अंतर एक महीने के समय में ही आया है, तो आश्चर्य भी होता है। खनिज तेल, धातु, फ्रैबिकेटेडेट धातु उत्पाद, अन्य गैर-धातु खनिज उत्पाद के दाम घटने से अक्तूबर, 2022 में थोक मुद्रास्फीति घटी बताई जा रही है। अक्तूबर महीने में सब्जियों की मुद्रास्फीति 17.61 प्रतिशत रही है, जबकि उसके पिछले महीने यह 39.66 प्रतिशत पर थी। ईंधन और बिजली में भी महंगाई दर 23.17 प्रतिशत रही है। मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की महंगाई दर ही कुछ कम 4.42 प्रतिशत दर्ज हुई है। विशेष रूप से सब्जियों के भाव आम लोगों को ज्यादा चुभ रहे हैं और इसलिए थोक महंगाई के आंकड़े देखकर कोई आम आदमी सवाल उठा सकता है। आम आदमी के बजट को बिगाड़ने के लिए रसोई और ईंधन पर्याप्त हैं। हाल ही में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने यह उम्मीद जताई थी कि अक्तूबर में मुद्रास्फीति की दर सात प्रतिशत से कम रहेगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका, क्योंकि मोटे तौर पर सब्जियों और ईंधन के भाव साथ नहीं दे रहे हैं। बताया जाता है, पिछले छह या सात महीनों में भारतीय रिजर्व बैंक व सरकार, दोनों ने ही मुद्रास्फीति को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। आरबीआई गवर्नर के मुताबिक, केंद्रीय बैंक ने अपनी ओर से ब्याज दरों में वृद्धि की है, जबकि सरकार की तरफ से आपूर्ति पक्ष से जुड़े कई कदम उठाए गए हैं। फिर भी कसर रह ही जा रही है। भारत की खुदरा मुद्रास्फीति, जिसे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा मापा जाता है, अक्तूबर महीने में तीन महीने के निचले स्तर 6.77 प्रतिशत पर आ गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकडे. उत्साहजनक हैं। सितंबर महीने में खुदरा महंगाई दर 7.41 फीसदी थी। तीन महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंचने के बावजूद खुदरा महंगाई लगातार 10वें महीने में भी रिजर्व बैंक के छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा के पार बना हुआ है। सरकार ने रिजर्व बैंक को कह रखा है कि 2026 तक खत्म होने वाली पांच वर्षीय अवधि में महंगाई दर को दो से चार प्रतिशत तक रखना है। हालांकि, यह लक्ष्य पाना आसान नहीं है। महंगाई घटाने के लिए अनेक मोर्चों पर कदम उठाने व कड़े फैसले लेने की जरूरत पड़ेगी। उत्पादन पर ध्यान देना जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा जरूरी है आपूर्ति को आसान बनाना, ताकि कीमतों को आबादी के अनुरूप घटाया जा सके।

आतंकवादियों की रिहाई के खतरे !

इसके बावजूद अगस्त में बलात्कारियों और हत्यारों को रिहा कर दिया गया। उनकी रिहाई के जो भी आधिकारिक कारण दिए गए, असली कारण और है और वह असली कारण धर्म व राजनीति या चुनाव से जुड़ा है। यह फैसला अपराधियों का मनोबल बढ़ाने वाला, देश को धर्म व जाति के नाम पर बांटने वाला और नैतिक ताकत को कम करने वाला साबित हो सकता है।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या में शामिल सात लोगों को जेल से रिहा कर दिया गया है। देश की सर्वोच्च अदालत की ओर से यह तर्क दिया गया है कि दोषी 31 साल तक जेल में रह चुके हैं और जेल में उनका आचरण अच्छा रहा है। 'अच्छे आचरण' के आधार पर राज्य सरकार ने इन सबको रिहा करने का फैसला किया था लेकिन चूंकि राज्यपाल ने राज्य सरकार की सिफारिश लंबित रखी है इसलिए अदालत ने अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल करके सभी सात हत्यारों को रिहा कर दिया। इससे पहले गुजरात सरकार ने गर्भवती बिलकिस बानो के साथ बलात्कार करने और उसकी तीन साल की बच्ची सहित परिवार के कई लोगों की हत्या कर देने वालों को केंद्र से हरी झंडी मिलने के बाद 'अच्छे आचरण' के आधार पर जेल से रिहा कर दिया था। सोचें, इस देश में जहां आलू चोरी करने के आरोपी महीनों तक जेल में रह जाते है वहां 'अच्छे आचरण' के आधार पर बलात्कारी व हत्यारे और आतंकवादी रिहा किए जा रहे हैं! यह 'न्यू इंडिया' है!

बहरहाल, राजीव गांधी के हत्या करने वाले आतंकवादियों और बिलकिस बानो के साथ बलात्कार करने वाले बलात्कारियों व हत्यारों की रिहाई में कई हैरान करने वाली बातें हैं और केंद्र सरकार व उच्च न्यायपालिका दोनों सवालों के घेरे में हैं। दोनों फैसले केंद्र की सहमति से हुए हैं लेकिन एक में सक्रिय सहमति रही और दूसरी में परोक्ष सहमति। अगर केंद्र सरकार चाहती तो राजीव गांधी के हत्यारों का मामला अदालत में नहीं जाता। लेकिन चूंकि मामला आतंकवाद का था और भावनात्मक भी था इसलिए केंद्र सरकार ने चुप्पी साध ली। तमिल अस्मिता के नाम पर राज्य सरकार ने दोषियों की रिहाई की पहल की और उनके रिहा करने की सिफारिश राज्यपाल को भेजी। परंतु राज्यपाल ने उस सिफारिश पर कोई फैसला नहीं किया। तभी मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा और सुप्रीम कोर्ट को तत्काल अपनी जिम्मेदारी का अहसास हुआ है और उसने सभी दोषियों को रिहा कर दिया। सोचें, अभी कितने राज्यों में राज्यपाल विपक्षी पार्टियों की सरकारों की सिफारिशें और विधानसभा से पारित विधेयक रोक कर बैठे हैं पर किसी मामले में उच्च अदालतों को अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं होता है। दूसरी ओर बिलकिस बानो के दोषियों का मामला चूंकि आतंकवाद से नहीं जुड़ा था, बल्कि उसमें दोषी हिंदू थे और पीड़िता व मारे गए लोग मुस्लिम थे इसलिए वह अलग तरह का भावनात्मक और ध्रुवीकरण कराने वाला मुद्दा था। सो, दोषियों की सजा के 14 साल पूरे होते ही राज्य की भाजपा सरकार उनकी रिहाई में लग गई। यह मामला पहले गुजरात हाई कोर्ट में पहुंचा। बिलकिस के 11 दोषियों में से एक ने हाई कोर्ट में अपील करके रिमिशन पॉलिसी के तहत रिहा किए जाने की अपील की। गुजरात हाई कोर्ट ने कहा कि मामला चूंकि महाराष्ट्र में सुना गया था इसलिए महाराष्ट्र हाई कोर्ट इस बारे में फैसला करेगा। इस फैसले के बाद दोषी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए और सुप्रीम कोर्ट ने अपनी जवाबदेही निभाते हुए कहा कि अपराध गुजरात में हुआ था इसलिए गुजरात सरकार ही फैसला करेगी। ध्यान रहे उस समय महाराष्ट्र में गैर भाजपा सरकार थी। सो, मामला गुजरात की भाजपा सरकार के पहुंचा और उसने केंद्रीय गृह मंत्रालय की मंजूरी लेकर सभी 11 दोषियों को रिहा कर दिया। इस तरह केंद्र सरकार को जहां चुप रह कर अदालत से फैसला कराना था वहां चुप रह कर कराया और जहां सक्रिय होकर अदालत की मंजूरी लेने और खुद फैसला करना था वहां खुद फैसला किया। दोनों फैसले एक जैसे हैं और समूची न्याय व्यवस्था और समाज के लिए बेहद खतरनाक नजीर बनाने वाले हैं।

यह खतरनाक इसलिए है कि दोनों मामलों में राजनीतिक लाभ के लिए या अस्मिता की राजनीति के नाम पर न्याय प्रक्रिया का दुरुपयोग किया गया है, सामान्य मानवीय मूल्यों की अनदेखी की गई है और देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया गया है। ध्यान रहे राजीव गांधी की हत्या कोई मामूली घटना नहीं थी। वह एक पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या की आतंकवादी कार्रवाई थी, जिसमें राजीव गांधी और आत्मघाती हमलावर सहित 16 लोग मारे गए थे। भारत हमेशा आतंकवाद के प्रति जीरो टालरेंस की बात करता है। ऐसे में किसी आतंकवादी को कैसे रिहा किया जा सकता है? सोनिया गांधी का अपने पति के हत्यारों के प्रति रहमदिली दिखाना और फांसी की सजा का उम्र कैद में बदला जाना एक बात है लेकिन उम्र कैद की सजा काट रहे लोगों को 'अच्छे आचरण' के आधार पर रिहा करना आतंकवाद से समझौता करने जैसा है। यह सुरक्षा बलों का मनोबल तोड़ने और आतंकवादियों का हौसला बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। दूसरा खतरा यह है कि तमिलनाडु की दोनों क्षेत्रीय पार्टियों की सरकारों ने इसे तमिल अस्मिता का मामला बना दिया। इस आधार पर पंजाब में मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या करने वाले आतंकवादी बलवंत सिंह राजोआना की रिहाई की मांग हो रही है। राजोआना सहित कई और आतंकवादियों को 'बंदी सिंह' बता कर रिहा करने की मांग उठ रही है। इसे सिख अस्मिता का मामला बताया जा रहा है। जम्मू कश्मीर में अरसे से मुस्लिम आतंकवादियों के प्रति इस तरह का लगाव देखने को मिलता रहा है। राजीव गांधी के हत्यारों की रिहाई ने एक तरह से आतंकवादियों की जाति व धर्म के आधार पर पहचान और उस आधार पर उनका विरोध या तरफदारी की भावना को वैधानिकता मिली है, जो कि समाज की संरचना और देश की सुरक्षा के लिए बहुत खतरनाक है।

बिलकिस के बलात्कारियों और उसके परिजनों के हत्यारों की रिहाई भी अस्मिता की राजनीति का एक सबूत है। अदालत की आंखों के सामने और केंद्र की मंजूरी लेकर गुजरात सरकार ने जिन 11 दोषियों को 'अच्छे आचरण' के आधार पर रिहा किया, उनमें से दो लोग जब पैरोल पर बाहर निकले थे तो उनके ऊपर महिलाओं से बदसलूकी के आरोप लगे थे और मुकदमा भी दर्ज हुआ था। उनको 'अच्छे आचरण' के आधार पर रिहा करने से पहले क्या इसका ध्यान नहीं रखा जाना चाहिए था? हालांकि बड़ा सवाल तो यही है कि उन्होंने बिल्कुल सोच समझ कर, ठंडे दिमाग से जिस तरह की बर्बर घटना को अंजाम दिया था उसके बाद उनका अच्छा आचरण क्या हो सकता था? इतना ही नहीं इसी साल जून में केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को एक दिशानिर्देश भेजा था, जिसमें कहा गया था कि बलात्कार और हत्या के मामले में सजा काट रहे किसी दोषी को समय से पहले नहीं रिहा किया जा सकता। इसके बावजूद अगस्त में बलात्कारियों और हत्यारों को रिहा कर दिया गया। उनकी रिहाई के जो भी आधिकारिक कारण दिए गए, असली कारण और है और वह असली कारण धर्म व राजनीति या चुनाव से जुड़ा है। यह फैसला अपराधियों का मनोबल बढ़ाने वाला, देश को धर्म व जाति के नाम पर बांटने वाला और नैतिक ताकत को कम करने वाला साबित हो सकता है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

Amethhyyst Lounge Bar & Club Illusions

बेखौफ उड़ा रहे हैं पूरी रात कानून की धज्जियां

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। जोन-9 के पुलिस उपायुक्त व समाजसेवा शाखा के पुलिस उपायुक्त से अपील है कि अंबोळी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत दूसरी मंजिल और तीसरी मंजिल, अंबिका एक्रोपोलिस, ऑफ न्यू लिंक रोड, ओबेरॉय स्प्रिंग्स के पास, वीरा देसाई इंडस्ट्रियल एस्टेट, अंधेरी पश्चिम, मुंबई - 53 स्थित **Club Illusions & Amethhyyst Lounge Bar** पूरी रात धड़ल्ले से चलाया जा रहा हैं, इनके बगल में जितने भी रेसिडेंस बिल्डिंग है वहां की पूरी जनता **Club Illusions & Amethhyyst Lounge Bar** इन दोनों क्लब व बार से परेशान हो चुकी है, मगर अंबोळी पुलिस स्टेशन को जनता की परेशानी की कोई परवाह नहीं है। रात के 1 बजे बराबर अंबोळी पुलिस स्टेशन से 2 गाड़ियां आती हैं गेट पर रुकती हैं और फिर वहां से चली जाती है। इन दोनों क्लब को पुलिस की गाड़ियों का कोई खौफ नहीं रहता है, क्योंकि पुलिस की जो गाड़ी आती है, वह अपना लिफाफा लेकर निकल जाते हैं। फिर इन दोनों क्लब वालों का हौंसला बुलंद हो जाता है। उसके बाद अवैध तरीके से दोनों क्लब व बार पूरी रात धड़ल्ले से चलाये जाते हैं, और वहां पर पूरी रात शराब और शबाब चलता है। साथ ही सूत्रों से पता चला है कि इन दोनों क्लब व बार में गलत प्रतिबंधित नशीले पदार्थों का सेवन किया जाता है। समाजिक संस्थाओं ने पुलिस आयुक्त से अपील की है कि इन दोनों क्लब व बार को जल्द से जल्द बंद कराया जाये और इन पर ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए ताकी दोबारा कोई ऐसे कानून की धज्जियां न उड़ाये।

समाज सेविका रिदा रशीद के विरुद्ध में दलित समाज के बौद्ध उपासक उपसिका समन्वय संस्था के प्रवीण जगताप द्वारा कराया गया मुंब्रा पुलिस स्टेशन में एट्रोसिटी का मामला दर्ज

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। समाज सेविका रिदा रशीद द्वारा कलवा मुंब्रा के विधायक जितेंद्र अवार्ड पर विनयभंग मामला दर्ज कराया गया उसके बाद विधायक जितेंद्र अवार्ड द्वारा अपने ऊपर लगे आरोपों के बारे में राजनीतिक द्वेष बताते हुए सभी एनसीपी के दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में राजीनामा दिया गया और ट्वीट कर कहां गया मुझ पर लगे 72 घंटे में दो फर्जी मामले जो पुलिस द्वारा दर्ज किया गया है उसको लेकर मैं अपनी लड़ाई लडूंगा जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में भूचाल आ गया और एनसीपी समर्थक सड़कों पर उतर आए और जमकर रिदा रशीद के विरोध में नारेबाजी की वही कलवा मुंब्रा के विधायक जितेंद्र अवार्ड की पत्नी ने भी जितेंद्र अवार्ड पर लगे आरोपों की निंदा की और राजनीतिक षड्यंत्र बताया उनके द्वारा किया गया पत्रकार परिषद में रुता वार्ड ने कहा जिस प्रकार की राजनीति की जा रही है वह सही नहीं है और जिस तरह का आरोप जितेंद्र अवार्ड पर लगाया है वह बेहद निंदनीय है इस मामले में एनसीपी की तमाम महिलाएं जितेंद्र अवार्ड के समर्थन

में उतरती हुई नजर आई एनसीपी के सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी द्वारा जितेंद्र अवार्ड पर लगाए गए आरोपों को राजनीतिक षड्यंत्र बता रहे हैं राजनीतिक उतार-चढ़ाव में नया मोड़ जब आया जब दलित समाज बौद्ध उपासक उपवास का समन्वय संस्था के प्रवीण जगताप द्वारा मुंब्रा पुलिस मैं रिदा रशीद के विरोध में एट्रोसिटी का मामला दर्ज किया गया है इस मामले में शिकायतकर्ता शिवा जगताप मिली जानकारी के अनुसार गत 26 अक्टूबर बुधवार दोपहर 4:30 शंकर मंदिर परिसर स्थित मंदिर के पास उत्तर भारतीय द्वारा मनाया जाने वाला छठ पूजा का त्यौहार की तैयारी को देखने के लिए मैं अपने मित्रों के साथ तालाब के पास गए थे तभी उस समय रिदा रशीद और उनके अन्य साथियों द्वारा हम लोगो के साथ अभद्र व्यवहार किया गया जिस प्रकार की उन्होंने भाषा का प्रयोग किया था वह बेहद निंदनीय था और हम लोगों को नीचा दिखाने की कोशिश की गई और कहा गया तो यहां से निकल तेरा यहां क्या काम है तुझे मंदिर के अंदर आने किसने दिया और उनके अन्य साथी द्वारा हम लोगों को हाथ पैर तोड़ने की धमकी भी दी गई जिसकी शिकायत हम लोगों ने मुंब्रा पुलिस स्टेशन में करना चाहिए लेकिन विधायक जितेंद्र अवार्ड के मना करने पर हम लोगों ने इस मामले की शिकायत दर्ज नहीं कराई जिसके बाद इस प्रकार की दोबारा घटना हम लोगों के साथ 13 नवंबर रविवार शाम 7:30 बजे घटी जब महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा वाय जंक्शन पर फ्लाई ओवर ब्रिज का उद्घाटन किया जाना था और यह उद्घाटन समारोह देखने के लिए हम लोग गए थे तभी उस वक्त भी रिदा रशीद और उनके समर्थक द्वारा हम लोगों के साथ में अभद्र व्यवहार करते हुए कहां कि तो निकल यहां से बाजू में जा और रिदा रशीद ने हम लोगों को गाली गलौज दी 26 अक्टूबर बुधवार की घटना को लेकर उनका क्रोध चरम सीमा पर पहुंच गया और वह हमारी जाति तक पहुंच गई और हम लोगों को चोर चमार तक कह दिया और भरपूर गाली गलौज दी गई कहा तुम लोगों का यहां क्या काम है वहां पर उपस्थित सभी लोगों के सामने हम लोगों को नीचा दिखाने की दोबारा कोशिश की गई उन्होंने बताया कि अगर मैं दलित समाज का हूं तो क्या कोई भी इस तरह का व्यवहार हम लोगों के साथ करेगा फिर हम लोगों ने रिदा रशीद के विरुद्ध में मुंब्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई हमारी शिकायत पर मुंब्रा पुलिस स्टेशन द्वारा एट्रोसिटी की धारा 3(1)r, 3(1) y,3 (1) (za) (c) के तहत मामला दर्ज किया गया।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

एसपी महाराष्ट्र अध्यक्ष अबू आसिम आजमी की बढ़ीं मुश्किलें

प्रारंभ में, आईटी ने कमल हवेली, आभा गणेश गुप्ता के कार्यालय में कोलाबा और उसी इमारत में स्थित अबू आसिम आजमी के कार्यालय और निवास पर तलाशी ली। आभा गणेश गुप्ता दिवंगत गणेश गुप्ता की पत्नी हैं, जो अबू आजमी के करीबी सहयोगी और महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के सचिव थे, जब अबू आजमी पार्टी के महाराष्ट्र अध्यक्ष थे। इसके अलावा, विभाग ने वाराणसी की उन कंपनियों में से एक विनायक निर्माण लिमिटेड पर भी छापा मारा, जहां आभा गुप्ता ने बड़े बेनामी निवेश किए थे। अधिकारियों के मुताबिक, कोलकाता में छापेमारी के दौरान हवाला के लिए एंट्री ऑपरेटरों का इस्तेमाल किया जा रहा था।

अडानी को एनडीटीवी के 26 फीसदी अतिरिक्त शेयर खरीदने की मंजूरी

अडानी समूह का ऑफर 22 नवंबर को आएगा और 5 दिसंबर को बंद होगा। ऑफर में कंपनी के एक शेयर का मूल्य 294 तय किया गया है। बाजार नियामक ने 492.81 करोड़ के इस ऑफर के लिए 7 नवंबर को निर्णायक सहमति दी। देश के सबसे अमीर शख्स गौतम अदाणी की अगुवाई वाले समूह की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी एएमजी मीडिया नेटवर्क ने अगस्त में एक अल्पज्ञात कंपनी विश्वप्रधान कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड (वीसीपीएल) का अधिग्रहण किया था। इस कंपनी ने एनडीटीवी के संस्थापकों डॉ. प्रणव रॉय व राधिका रॉय को एक दशक पहले करीब 400 करोड़ का लोन दिया था। यह लोन एक वारंट के बदले दिया गया था जिसकी शर्त थी कि वीसीपीएल एनडीटीवी के 29.18 फीसदी शेयर पर कभी भी कब्जा ले सकती है। अदाणी समूह का हिस्सा बनने के बाद वीसीपीएल ने घोषणा की कि वह एनडीटीवी के छोटे शेयरधारकों से कंपनी में 26 फीसदी अतिरिक्त शेयर खरीदने के लिए ओपन ऑफर लाएगी। इसके तहत कंपनी के 1.67 करोड़ शेयर 294 रुपये के दर से खरीदने की बात थी। हालांकि सेबी से इसकी अनुमति नहीं मिलने के कारण ऑफर लाने में देरी हुई। अब सेबी की मंजूरी मिलने के बाद अदाणी समूह एनडीटीवी पर कब्जे के लिए आगे बढ़ेगा। 26 फीसदी अतिरिक्त शेयर खरीदने के साथ कंपनी में अदाणी समूह का हिस्सा 55 फीसदी से अधिक हो जाएगा।

दिल्ली हाईकोर्ट से उद्धव ठाकरे को झटका

हाईकोर्ट ने कहा कि मौजूदा याचिका को खारिज किया जाता है। इस साल के शुरू में महाराष्ट्र के वर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाकरे के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद किया था और उनपर कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ 'अप्राकृतिक गठबंधन' करने का आरोप लगाया था। शिवसेना के 55 में से 40 से ज्यादा विधायक शिंदे के साथ चले गए थे जिसके बाद ठाकरे को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। ठाकरे ने पिछले महीने हाईकोर्ट का रुख कर आयोग के इस आदेश को रद्द करने की गुजारिश की थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि आयोग ने मौखिक सुनवाई के अनुरोध के ठाकरे के आवेदन के बावजूद सुनवाई का अवसर दिए बिना आदेश पारित करने में अनुचित जल्दबाजी दिखाई। ठाकरे ने अपनी याचिका में दावा किया है कि पार्टी का चुनाव चिन्ह उसकी पहचान है, जिसका इस्तेमाल शिवसेना की स्थापना के बाद से किया गया है। 1966 में उनके पिता बाल ठाकरे ने पार्टी की स्थापना की थी।

200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैकलीन को बड़ी राहत

10 नवंबर को कोर्ट में एक्ट्रेस की जमानत पर लंबी बहस हुई थी और अदालत ने फैसाल सुरक्षित रख लिया था। अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस को पटियाला हाउस कोर्ट से जमानत मिल गई है। इस मामले में सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। 10 नवंबर को कोर्ट में सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अगले दिन फैसला सुनाने की बात कही थी। हालांकि 11 नवंबर को भी एक्ट्रेस की रेगुलर बेल पर फैसला नहीं आ सका। आज कोर्ट से एक्ट्रेस को बड़ी राहत मिली है। जैकलीन आज खुद भी वकीलों के साथ पटियाला हाउस कोर्ट पहुंचीं थीं। सुनवाई के दौरान दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था एजेंसी ने अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया तो उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया। कोर्ट ने चुनिंदा लोगों पर कार्रवाई करने को लेकर भी एजेंसी से सवाल किए। ईडी ने रेगुलर बेल की सुनवाई के दौरान जैकलीन की जमानत का कड़ा विरोध किया। ईडी की ओर से कोर्ट में दावा किया गया कि दिसंबर 2021 में जैकलीन ने देश छोड़कर भागने की कोशिश की थी। बहस के दौरान एजेंसी ने कहा था कि एक्ट्रेस ने देश छोड़कर भागने के सारे हथकंडे अपनाए क्योंकि उनके पास पैसों की कोई कमी नहीं है।

वेब सीरीज 'एल..लग गए' का ट्रेलर और म्यूजिक लांच मुंबई के पीवीआर आइकॉन सिनेमा में भव्य रूप से किया गया

मुंबई। सिने प्राइम ओटटी पर 9 दिसम्बर 2022 को रिलीज होने जा रही वेब सीरीज 'एल..लग गए' का ट्रेलर और म्यूजिक लॉन्च मुम्बई के पीवीआर आइकॉन सिनेमा में भव्य रूप से किया गया। मनीष शर्मा इस चैनल के फाउंडर और इस वेब सीरीज के प्रोड्यूसर भी हैं। इस शानदार कार्यक्रम में सेलेब्रिटी गेस्ट के रूप में राखी सावंत, आदिल खान और सुनील पाल, राजू श्रेस्थ भी मौजूद थे। मनीष शर्मा ने यहां घोषणा की कि सिने प्राइम पर एक और वेब सीरीज राखी सावंत और आदिल खान के अभिनय से सजी बनाई जाएगी। इस वेब सीरीज में साहिल आनंद, वेदिका भंडारी, इमरान खान, आएशा कपूर, हिमांशु गोकानी, निशात शीरीं, नीलम भानुशाली सहित कई अदाकारों ने अभिनय किया है। सिने प्राइम ओटटी पर जल्द रिलीज होने जा रही वेब सीरीज 'एल..लग गए' का ट्रेलर और 3 गाने सिल्वर स्क्रीन पर दिखाए गए, जिसे सभी ने पसन्द किया। इसके निर्माता मनीष शर्मा, महेश मिश्रा, तरुण विस्ठ, गणेश मांजरेकर व निर्देशक राजेन्द्र राठौड़ हैं। राखी सावंत ने यहां कहा कि किसी के यहां शादी होने वाली होती है और इस बीच लॉक डाउन लग जाता है। उसके बाद कहानी में क्या टर्न टिवस्ट आता है। यह फिल्म इसी अनोखे और रोचक सब्जेक्ट पर बेस्ड है। ट्रेलर और गाने काफी अच्छे हैं और मुझे लगता है कि यह दर्शकों को बहोत पसन्द आएगी। सिने प्राइम के फाउंडर मनीष शर्मा बधाई के पात्र है कि वह इतना बेहतर ओटीटी प्लेटफॉर्म लेकर आए हैं। इसके माध्यम से सैकड़ों कलाकारों, टेक्नीशियन को काम मिलेगा। मैंने तो यह ओटीटी डाऊनलोड कर लिया है, आप सभी से भी निवेदन है कि सिने प्राइम को आप डाऊनलोड करें। मनीष शर्मा की सोच बहुत अच्छी लगी कि वह साफ सुथरी वेब सीरीज बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। एल लग गए आप फैमिली के साथ देख सकते हैं, अच्छी स्टोरी और अनोखा कांसेप्ट है।

हजरत मीर हसन र.अ. देवगढ़ पर चलाया जीलानी लंगर

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

देवगढ़। हजरत गोसे आजम बगदादी पीराने पीर अब्दुल कादिर जीलानी र.अ. साहेब का लँगर हजरत मीर हसन उर्फ बंगले वाला बाबा साहेब देवगढ़ पर लगाया जिसमें जामा मस्जिद पेश ईमाम ईरशाद रजा, मुस्लिम महासभा राष्ट्रीय सह सचिव जाफर खान फौजदार, अधिवक्ता शराफत हुसैन फौजदार, मुस्लिम महासभा जिला प्रभारी हैदर हुसैन शेख, देवगढ़ आम मुस्लिम समाज सदर ताहिर हुसैन शेख, मुस्लिम महासभा देवगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष आशिक शाह, रिटायर्ड नायब तहसीलदार इकबाल मोहम्मद शेख, ब्लॉक उपाध्यक्ष खुर्शीद अहमद शेख, जिला मीडिया प्रभारी सरफराज अहमद शेख, सरफराज खान, हकीम उस्ता, इरफान छीपआ, ईमरान खान, महबूब शेख, सहजाद शेख, रिजवान शेख, लक्की छिपा, आदिल शेख, गुलजार मोहम्मद, रफीक शेख, कमरू शाह, इशहाक शाह सहित मौजूद रह कर देश मे अम्नो अमान खुशहाली की दुआएँ मांगी गई।

दिन दहाडे वृद्धा की सोने की कंटी लेकर फरार

हितेश सोनी (रामाजी गुडा)

नाडोल कस्बे मे दिन दहाडे राह चलती महिला की सोने की तीन तोले सोने की कंटी लेकर फरार हो गये सूचना मिलते ही नाडोल चौकी ए एस आई प्रेम सिहं, कांस्टेबल संतराम,रामपाल मीणा मौके पर पहुंच कर सीसी फूटेज जॉच की जिसमे तीन लडके के मुंह पर कपडा बंधा तेज गती से चलाते का हुलिया नजर आया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कन्या देवी पत्नी पुखराज चैधरी उम्र 54 वर्ष अपने बैरे से 4 बजे शायाकाल पशु चराकर घर आ रही थी कि नाडोल देसूरी रोड पर तीन युवक बाईक पर आए और चलती वृद्ध के सोने की कंटी खींचकर एवं महिला के साथ धारदार हथियार से वार कर मारपिट कर महिला को गिरा दिया और भाग गये। महिला का नाडोल चिकित्सालय में उपचार करवा कर पुलिस चोरो की तलाश कर रही है। मौके पर पुर्वउप सरपंच रूपाराम सीरवी, जितेन्द्र सीरवी, फुआराम चैधरी, गेनाराम सीरवी, मांगीलाल राठौड, गजाराम चैधरी सहित लोग मौजुद थें। आये दिन हो रही चोरीयी को रोकने के लिये नाडोल व्यापार मण्डल मुख्य चोराहो पर सीसी केमरे लगाने की योजना बना रही हैं।

गुलाबपुरा में वैष्णव समाज की नवनिर्मित धर्मशाला व जल मंदिर का लोकार्पण 20 नवंबर को

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के गुलाबपुरा कस्बे में वैष्णव बैरागी समाज विकास समिति डिग्गी द्वारा धर्मशाला में नवीन हॉल व जल मंदिर का लोकार्पण 20 नवम्बर रविवार को होगा। नवनिर्मित हॉल के भामाशाह ठेकेदार रामस्वरूप वैष्णव किशनगढ़ ने बताया कि डिग्गी कल्याण वैष्णव धर्मशाला में एक हॉल का निर्माण करवाया गया जिसका व नवनिर्मित जल मंदिर का लोकार्पण रविवार को किया जायेगा। लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य खुशी राम वैष्णव, वैष्णव युवा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तम वैष्णव, हनुमान प्रसाद वैष्णव निवाई, गोपाल वैष्णव गुलगांव एवं भामाशाह ठेकेदार रामस्वरूप वैष्णव किशनगढ़, वैष्णव ब्राह्मण महासभा अजमेर के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम सुंदर वैष्णव हरिद्वार व महेश वैष्णव प्रान्तीय वैष्णव ब्राह्मण समाज जयपुर के प्रदेशाध्यक्ष एवं लक्ष्मण वैष्णव लवादार के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित होगा। उपरोक्त कार्यक्रम में वैष्णव जल सेवा समिति के अध्यक्ष महावीर प्रसाद, गिरीराज वैष्णव, राजगोपाल वैष्णव दादिया, रामेश्वर जी वैष्णव, नन्दलाल वैष्णव, केदार मल वैष्णव कार्यक्रम अध्यक्ष, ओम प्रकाश वैष्णव भासु, किशन वैष्णव, हनुमान वैष्णव डिग्गी समिति अध्यक्ष, वैष्णव समाज के जनप्रतिनिधि एवं पत्रकारगण सहित सैकड़ो समाज के गणमान्यजन शिरकत करेंगे। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू सुरेश छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

आल इंडिया मंसूरी समाज के प्रदेश अध्यक्ष रियाज अहमद मंसूरी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। आल इंडिया मंसूरी समाज के शिष्टमण्डल ने वक्फबोर्ड राजस्थान के चेयरमैन खानू खान बुधवाली से मुलाकात कर मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर कर अशोक गहलोत से मंसूरी विकास बोर्ड के गठन एवं अजमेर में छात्रावास हेतु भूमि आवंटन की काफी समय से चल रही मांग पर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर ज्ञापन देने वाले आल इंडिया मंसूरी समाज के पदाधिकारी प्रदेश प्रभारी डाक्टर फकरुद्दीन मंसूरी, हाजी जवरी खा मंसूरी, प्रदेश सचिव हाजी जमालुद्दीन मंसूरी, प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी महबूब मंसूरी, जयपुर जिला अध्यक्ष हाजी सत्तार मंसूरी, भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष, रज्जाक मंसूरी, पूर्व सरपंच चाँद खा मंसूरी राज महल, जयपुर शहर उपाध्यक्ष नजरू दिन मंसूरी, समाज सेवी अब्दुल फरीद अजमेर, आदि संघटन के कार्य कर्ता मौजूद रहे। उक्त जानकारी खेजड़ी के हाजी जवरी खान मंसूरी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

विधायक व सीडीओ ने मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को सौंपी चाभी

मुंबई हलचल / संवाददाता

प्रयागराज। मंगलवार को बहादुर पुर विकास खण्ड के कोतारी ग्राम पंचायत में मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत लाभार्थी आनन्द कुमार मिश्र पुत्र सुरेश चन्द्र मिश्र को फूलपुर विधायक प्रवीण पटेल तथा जनपद के मुख्य विकास अधिकारी सिपू गिरि ने मुख्यमंत्री आवास की चाभी सौंपी। परियोजना निदेशक अशोक कुमार मौर्य, खण्ड विकास अधिकारी बहादुरपुर मनोज कुमार सिंह, ग्राम पंचायत अधिकारी शिवांजली द्विवेदी, ग्राम प्रधान राम सिंह भी मौके पर मौजूद रहे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री आवास योजना के सभी लाभार्थीयों को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वर्चुअल तरीके से गृह प्रवेश कराया गया। उक्त अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा लाभार्थियों से सीधा सम्वाद भी किया गया। लाभार्थी आनन्द कुमार मिश्र ने मुख्य मंत्री को अपना परिचय दिया और गणेश वन्दना। गजाननम भूत गणाधिषेवितम कपित्थजम्बू फल चारु भक्षणम्उमा सुतं शोकविनाशन कारकम नमामि विघ्नेश्वर पाद पंकजम। सुनाते हुए बताया कि मुझे मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत प्रथम किस्त 40000, द्वितीय किस्त 70000, तृतीय किस्त 10000 तथा मनरेगा अन्तर्गत मजदूरी 90दिवस की 18918रुपये प्राप्त हुआ। तथा उत्तर प्रदेश एंव केन्द्र सरकार द्वारा मुझे स्वच्छ शौचालय, विजली कनेक्शन, आवास, राशन कार्ड एंव आयुष्मान कार्ड प्राप्त हो चुका है। वर्चुअल माध्यम से गृह प्रवेश एंव लाभार्थी सम्वाद की तैयारी में बहादुरपुर विकास खण्ड के ए.डी.ओ पंचायत राम शंकर त्रिपाठी, जे ई. एम आई गिरजा शंकर यादव, टी.ए.शकील तथा वेद प्रकाश पाठक ग्राम पंचायत सचिव सफाई कर्म चारी व अन्य ब्लाक के कर्मचारी लगे रहे। कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी भाजपा बृजेश कुमार त्रिपाठी, चिन्ता मणि मिश्र, सुरेश चन्द्र मिश्र, ज्ञानेश्वर मिश्र, अशोक कुमार, विद्याभूषण मिश्र, राकेश कुमार मिश्र, राजेश कुमार मिश्र, शंकर सुमन मिश्र, सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

रेलवे ने शुरू किया उदयपुर-अहमदाबाद ट्रैक, आतंकी साजिश है या नहीं, जांच में जुटीं एजेंसियां

नई दिल्ली। उदयपुर-अहमदाबाद रेलवे लाइन ट्रैक पर हुए ब्लास्ट ने राज्य के साथ-साथ केंद्र सरकार की चिंता भी बढ़ा दी है। एनएसजी, एनआईए और आईबी की टीमों ने उदयपुर में आतंकी और नक्सली हमले की आशंका को लेकर जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा रेलवे पुलिस भी मामले की जांच में मुस्तैदी से जुटी हुई नजर आ रही है। क्योंकि ट्रैक पर धमाके से महज चार घंटे पहले ही इस ट्रैक से ट्रेन गुजरी थी। रेलवे का कहना है कि रेलवे ने 13 नवंबर की रात साढ़े तीन बजे रेलवे ट्रैक की मरम्मत का काम पूरा कर लिया है। इसके साथ ही एहतियात के तौर पर एक रेलवे इंजन का ट्रायल रन किया गया। ट्रैक पर अब ट्रेनें सुचारू रूप से चलेंगी। रेलवे ट्रैक को विस्फोट का मामला इसलिए भी संदिवनशील है, क्योंकि 31 अक्तूबर को ही इस लाइन का पीएम मोदी ने उद्घाटन किया था। वहीं अगले माह जी20 शेरपा की अहम बैठक भी उदयपुर में आयोजित होगी। रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, उदयपुर-अहमदाबाद ट्रैक से अहमदाबाद-उदयपुर-असरवा ट्रेन नंबर 19703 और 19704 रोजाना गुजरती है। ट्रेन गुजरने के दौरान ब्लास्ट होता, तो बड़ा हादसा हो सकता था। धमाके के बाद ट्रैक से जो ट्रेन गुजरने वाली थी, उसे पहले डूंगरपुर में ही रोक दिया गया था। ट्रेन में 665 यात्री सफर कर रहे थे। अजमेर मंडल में ट्रैक क्षतिग्रस्त होने के बाद एटीएस की टीम ने सोमवार रात 11.30 बजे उत्तर पश्चिम रेलवे को साइट क्लीयरेंस दी। उत्तर पश्चिम रेलवे के इंजीनियरों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तड़के साढ़े तीन बजे ट्रैक को फिट घोषित कर दिया गया। ट्रैक पर अब ट्रेनें सुचारू रूप से चलेंगी। रेलवे सूत्रों का कहना है कि इस पूरे मामले की राजस्थान पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) जांच कर रही हैं। घटना के हर पहलू को गंभीरता से देखा जा रहा है। अहमदाबाद-उदयपुर के इस रेलवे ट्रैक को उड़ाने के लिए करीब तीन किलो डाइनामाइट का इस्तेमाल किया गया था। लेकिन इसके पीछे किसका हाथ इसका अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। इस मामले को लेकर उदयपुर के जावर माइंस थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें रेलवे एक्ट 1989 की धारा 150,151 और 285 भादसं, सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 की धारा 3, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 की धारा 3(ए) और विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1967 की धारा 16 और 18 में मुकदमा दर्ज किया गया है। 31 अक्तूबर को उदयपुर-अहमदाबाद रेलवे ट्रैक का उद्घाटन असारवा रेलवे स्टेशन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इसके बाद से इस ट्रैक पर उदयपुर से असारवा और असारवा से उदयपुर के लिए एक-एक ट्रेन का संचालन किया जा रहा था।

सुरक्षा एवं संस्कार के साथ आयोजित हुआ कार्यक्रम 'मेरा देश-मेरा संदेश'

आंतरिक विकास परिषद ने प्रमुख हस्तियों को किया रोहिलखंड गौरव सम्मान 2022 से सम्मानित: रोहित

बरेली। आंतरिक विकास परिषद् ने सी आई पार्क में मेरा देश-मेरा संदेश कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में गीत संगीत व लाइव ऑर्केस्ट्रा के साथ-साथ बरेली शहर के जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा एवं संस्कार पर जागरुकता हेतु भी महत्वपूर्ण संदेश प्रदान किए गए। मनोरंजन और ज्ञान के उद्देश्य के साथ संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता अंकुर किशोर सक्सेना व राष्ट्रीय सचिव रोहित रेक्रिवाल ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेयर श्री उमेश गौतम जी ने कार्यक्रम की सराहना की एवं स्वास्थ्य, सुरक्षा व संस्कार विषय पर अपने विचार भी प्रकट किए। इस अवसर पर संस्था द्वारा मीडिया व सामाजिक क्षेत्र में आशीष कुमार जौहरी, राम कुमार गुप्ता, रोमी सेठी, स्वास्थ्य व चिकित्सा के क्षेत्र में बीइंग स्पिरिचुअल फाउंडेशन के संस्थापक धर्मेंद्र कुमार, डॉ अमित राठौर, डॉ विमल भारद्वाज, डॉ विनोद पागरानी, डॉ रुचिन अग्रवाल को रोहिलखंड गौरव सम्मान 2022 से सम्मानित किया गया। लाइव ऑर्केस्ट्रा पर गीत संगीत कार्यक्रम में देशभक्ति से ओत-प्रोत गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित सभी को भाव विभोर कर दिया। स्वास्थ्य सुरक्षा व संस्कार पर बोलते हुए उपजा प्रेस क्लब के अध्यक्ष एवं आंतरिक विकास परिषद के संरक्षक डॉक्टर पवन सक्सेना ने अपने महत्वपूर्ण विचार प्रकट किए एवं लोगों को जागरूक होने के लिए प्रेरित किया। रोबर्ट जॉनसन के बुलेट लाइव ऑर्केस्ट्रा पर गायक आशीष जौहरी, शानू-पूजा, पार्षद शालिनी जौहरी एवं कौशिक टंडन ने देशभक्ति गीतों से समां बांध दिया। कार्यक्रम में संस्था द्वारा अन्य सम्मानित व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन ओजस्वी व मधुर वाणी से सचिन श्याम भारतीय ने किया। उन्होंने अपनी खूबसूरत शायरी से शमा बांद दिया।

रुद्र प्रयाग के छात्रों ने बनाया चंद्रयान 3 का मॉडल

फाफामऊ, प्रयागराज। सोमवार को बाल दिवस के अवसर पर रुद्र प्रयाग विद्या मंदिर के छात्रों द्वारा विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार की प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमे छात्र छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। जबसे विशेष कक्षा 11 के छात्रों द्वारा बनाया गया चंद्रयान 3 का मॉडल रहा। छात्रों द्वारा चंद्र यान को उड़ा कर भी दिखाया गया जिसकी सबने सराहना की। इस अवसर पर मुख्य रूप से अनुज तिवारी, अनुभव पांडेय, अखिलेश अश्मित, दीपक, अंश, श्रेयांश, आदि छात्रों का द्वारा यह चंद्रयान बनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक सत्येन्द्र द्विवेदी, प्रिंसिपल गौरी द्विवेदी, संजीत शर्मा, शैलेन्द्र मिश्रा, सुभम मिश्रा आदि शिक्षक मौजूद रहे।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अब कानपुर पुलिस कमिश्नरेट में होंगे चार जोन, 14 सर्किल और 49 थाने, लागू हुई नई संरचना

शासन के निर्देश पर पुलिस कमिश्नरेट में हुआ कानपुर आउटर का विलय

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। शासन के निर्देश पर यहां की पुलिस कमिश्नरेट में कानपुर आउट र का विलय करने के साथ ही नई संरचना के तहत जिले को अब तीन के स्थान पर चार जोन में बांटा गया है। इसमें नए बनाये गये मध्य जोन छोड़कर अन्य तीनों जोन में शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों को समाहित करने के रुप में नई व्यवस्था लागू की गई है। इस नई संरचना के मुताबिक कानपुर कमिश्नरेट में अब 49 थाने होंगे। अगर कानपुर आउटर के तीन महिला थाने भी क्रियाशील रहेंगे तो कुल थानों की संख्या 52 होगी। हालांकि पुलिस महानिदेशक कार्यालय से नई संरचना की जो सूची जारी हुई है, उसमें कानपुर में स्थित तीनों महिला थानों का जिक्र नहीं है। अब लागू की गई नई व्यवस्था में पूर्वी, दक्षिण, पश्चिम के साथ ही एक नया मध्य जोन भी बनाया गया है। अब पहले के मुकाबले कमिश्नरेट में चार जोन, 14 सर्किल और 49 थाने होंगे। पूर्वी जोन में चार सर्किल और 13 थाने, पश्चिम जोन में तीन सर्किल और 10 थाने, दक्षिण जोन में तीन सर्किल और 12 थाने, जबकि मध्य जोन में चार सर्किल और 14 थानों को रखा गया है।

नागौर के रावणा राजपूत समाज के प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न मांगो को लेकर जयपुर में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान के नागौर जिलाध्यक्ष रणवीर सिंह बिरलोका और विक्रम सिंह आकोदा ने शासन सचिवालय जयपुर में जन अभाव अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर से मुलाकात कर रावणा राजपूत समाज की विभिन्न मांगों से अवगत कराया और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम निम्नलिखित मांगों को लेकर ज्ञापन भी सौंपा।

1. रावणा राजपूत जाति के साथ जुड़े अलग अलग मुगलकालीन नामो को हटाकार राजस्व रिकोर्ड में एक नाम रावणा राजपूत करावे।
2. रावणा राजपूत समाज के कल्याण हेतु 'मेजर दलपत सिंह रावणा राजपूत कल्याण बोर्ड' का गठन करावे।

3. रावणा राजपूत समाज सहित माली, कुम्हार, स्वामी, वैष्णव, दर्जी, नाई, जांगिड, घांची सहित अन्य अत्यन्त पिछड़ी जातियों को ओबीसी से अलग गुर्जर सहित पांच जातियों की तरह एक नया समूह 'अत्यन्त पिछड़ा वर्ग' बनाकर अलग से आरक्षण दिया जावे।
4. हाईफा हीरो मेजर दलपत सिंह जी शेखावत 'देवली' की शौर्यगाथा को विस्तृत रूप से राजस्थान के पाठ्यक्रम में विस्तृत रूप से शामिल किया जावे।
5. हाईफा हीरो मेजर दलपत सिंह जी शेखावत 'देवली' के नाम से पाली जिले के देवली गाँव में पैनोरमा बना कर राजस्थान के एक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जावे।
6. राजनितिक न्युक्तियों में रावणा राजपूत समाज को उचित प्रतिनिधित्व दिया जावे। पुखराज पाराशर ने रावणा राजपूत समाज की मांगों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का अश्वासन दिया। उक्त जानकारी भीलवाड़ा के रावणा राजपूत समाज के युवा नेता एडवोकेट पीरु सिंह गौड़ ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

कानपुर में जारी डेंगू का कहर, अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां जिले में डेंगू का का कहर लगातार जारी है। इस बीच स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट आई है। उसमें कल सोमवार को शहर में 42 नए डेंगू के मामले सामने आए थे। जिसमें जीएसवीएम मेडिकल कालेज की लैब से 16 और उर्सला की लैब से 26 मरीजों में डेंगू पाया गया है। इसी वजह से एलएलआर अस्पताल और उर्सला अस्पताल की ओपीडी और इमरजेंसी सेवा, मेडिसिन के साथ त्वचा रोग और बाल रोग के विशेषज्ञों को दिखाने के लिए लंबी-लंबी कतार लगी रही। इसी के साथ एलएलआर अस्पताल के बालरोग और मेडिसिन में रिकार्ड संख्या में भर्ती मरीजों का आंकड़ा पहुंच गया है। यही नहीं इस बीच सरकारी अस्पतालों में डेंगू के लक्षण लेकर जांच कराने वालों की संख्या भी काफी बढ़ी है। सीएमओ डा. आलोक रंजन ने बताया कि शहर के 19 और आस-पास के जिलों के 23 मरीज पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि डेंगू के लिए एलएलआर अस्पताल में 40, उर्सला में 35, कांशीराम चिकित्सालय में 20 और केपीएल में आठ बेड सुरक्षित किए गए हैं। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से शहर और आस-पास के जिलों में जाकर डेंगू से बचाव के लिए जागरूक करने का भी काम किया जा रहा है।

देश में धर्मान्तरण पर अविलम्ब रोक लगाएं केंद्र सरकार: राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने केंद्र सरकार से अपील की है कि धर्मान्तरण को रोकने के लिए अविलंब कानून बनाया जाये।उन्होंने इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता पर सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि धर्मान्तरण से राष्ट्रांतरण हो जाता है जो राष्ट्रीय अखंडता से खिलवाड़ है जो चिंता का विषय है। आर्य नेता अनिल आर्य ने कहा कि धर्म बदलने से विचार सोच व फिर राष्ट्रीय निष्ठा बदल जाती है। जहां

गरीबी व अभी अशिक्षा है वहां इसकी प्रबल संभावना रहती है क्योंकि लालच, भय व ब्रैन वाश से व्यक्ति को धर्म परिवर्तन के लिए तैयार किया जाता है। केन्द्र सरकार के कानून बनाने से यह पूरे देश में समान रूप से लागू होगा यह आज के समय की सबसे बड़ी आवश्कता है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने श्रद्धा हत्या केस में दुःख व्यक्त करते हुए हिन्दू युवतियां से झूठे प्यार से सावधान रहने की अपील की है। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने की संजय राठौड ने जनता से की अपील

बुलढाणा। संजय राठौड उपाध्यक्ष महाराष्ट्र कांग्रेस कमेटी उन्होंने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में जारी भारत जोड़ो यात्रा आने वाली १८ नवंबर को बुलढाणा जिले में आगमन हो रहा है। इस रैली में जिला वासी अधिक से अधिक संख्या में हिस्सा लें ऐसी अपील संजय राठौड़ ने जिला वासियों से की है। उन्होंने आगे बताते हो कहां भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक शुरू की गई है। राहुल गांधी ने इस यात्रा को आम जनता की आवाज सुनने का एकमात्र जरिया बताया है। यात्रा का मकसद संविधान को बचाना और देश की जनता से नफरत मिटकर कर

एकजुट करना है। इस यात्रा से देश की जनता में एक नया जोश दिखा जा रहा है। आज समाज का हर तबका राहुल गांधी की स्वागत के लिए इंतजार में है। राहुल गांधी की पदयात्रा को लोगों का भारी समर्थन मिल रहा है। पिछले दिनों महाराष्ट्र में यात्रा का आगमन हुआ जिसमें लाखों लोग राहुल गांधी के कदम से कदम मिलाकर चल रहे है। साथ ही लोग अपनी समस्याओं से अवगत करा रहे है। उन्होंने बताया है कि बुलढाणा जिले के शेगाव में आयोजित सभा से राहुल गांधी जनता से संबोधित करेंगे। संजय राठौड उपाध्यक्ष महाराष्ट्र कांग्रेस कमेटी उन्होंने जिला वासियों से अपील की है सभा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर सभा को कामयाब बनाएं।

बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री की सभा में उमड़ी भीड़, भगदड़ में एक महिला की मौत, 10 से अधिक घायल

मुंबई हलचल/संवाददाता

भिंड। भिंड जिले के मेहगांव और मौ के बीच स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर दंदरौआ धाम में बीते एक सप्ताह से धार्मिक आयोजन चल रहे हैं। तीन दिन से यहां बागेश्वर धाम के कथावाचक धीरेन्द्र शास्त्री के प्रवचन और दरबार भी चल रहा है। इसमें भाग लेने लाखों लोगों की भीड़ रोज जुट रही है। आम लोगों के साथ-साथ राजनेता और प्रशासनिक अफसर भी पहुंच रहे हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी सोमवार को यहां आए थे। मंगलवार सुबह दर्शन के लिए लाखों लोगों की भीड़ उमड़ी। मंदिर में गेट पर इतनी भीड़ हुई कि धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इसके चलते अनेक लोग गिर गए। फिर उनके ऊपर भीड़ चढ़ गई। भगदड़-सी स्थिति बनी। जब तक लोग संभल पाते, अनेक लोग दबकर घायल हो चुके थे। एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के बेटे राम बंसल ने आयोजकों और प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जितनी भीड़ है, उस हिसाब से इंतजाम नहीं हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

लेजर से बालों को हटवाने के बारे में जानें कुछ जरूरी बातें

वर्तमान में कॉस्मेटिक उपचार के क्षेत्र में लेजर द्वारा अनचाहे बालों को हटाना सबसे अधिक सामान्य ट्रीटमेंट माना जाता है और यह अत्यधिक चलन में भी है। लेकिन इससे जुड़े कई सारे मिथक और संदेह इस प्रकार के ट्रीटमेंट को लेने से लोगों को हतोत्साहित करते हैं।

लेजर से बालों को हटाने को लेकर सबसे बड़ी अफवाह यह है कि इस उपचार के दौरान दर्द होता है। आइए जानते हैं इसी प्रकार के मिथक और उससे जुड़ी जानकारियों के बारे में विशेषज्ञों द्वारा :

इन बातों का रखें ध्यान

- यह सुनिश्चित करें कि लेजर से बालों को हटाने के पहले त्वचा का विश्लेषण किया गया हो।
- चिकित्सक से अपने पहले अपॉइंटमेंट पर अपनी त्वचा पर पैच परीक्षण के बारे में पूछें।
- उपचार कराने से पहले, किसी इंडोक्राइनोलॉजिस्ट के द्वारा अपनी एंडोक्राइनल समस्याओं का मूल्यांकन कराएं।
- अपने चिकित्सक की योग्यता और अनुभव के बारे में पूरी जानकारी हासिल करें।
- त्वचा के रंग और प्रकार के लिए उपयुक्त लेजर के बारे में जानकारी लें।
- पिछली बार इस्तेमाल की गई दवाइयों या इलाज के बारे में किसी भी बदलाव को लेकर अपने चिकित्सक को बताएं।
- आपके अपॉइंटमेंट से एक दिन पहले,

इलाज किए जाने वाले हिस्से को शेव अवश्य करें।
- यदि आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो प्रक्रिया से पहले और बाद में उस हिस्से पर लगातार बर्फ रगड़ें इससे वह हिस्सा सुन्न हो जाएगा।
- आपके शरीर के चाहे किसी भी हिस्से में यह उपचार हो रहा हो, आपको हमेशा आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मा पहनना चाहिए।

ये करें ट्रीटमेंट करवाने से पहले

- प्रक्रिया के पहले या बाद में धूप में जाने या कृत्रिम टैन पाने से बचें
- ट्रीटमेंट के लिए ऐसे क्लिनिक में न जाएं जहां कीमत से

समझौता किया जाता हो

- उपचार से पहले छह महीने तक प्लकिंग, वैक्सिंग और इलेक्ट्रोलिसिस से बचें ताकि लेजर बालों की जड़ को लक्षित कर सकें
- अपने पहले उपचार से कम से कम एक हफ्ते पहले और लेजर कोर्स की अवधि के दौरान अपनी त्वचा ब्लीच न करें
- यदि आपके चेहरे के लिए उपचार किया जा रहा है, तो मुंहासे आदि के लिए बताई गई दवा न तो खाएं और न ही लगाएं
- प्यूबर्टी और गर्भावस्था की शुरूआत में बालों को हटाने के उपचार कराने से बचें। सबसे अच्छा है कि आप गर्भावस्था तक इंतजार करें, जब तक आपका हॉर्मोन स्तर सामान्य नहीं हो जाता है
- तंग फिटिंग वाले कपड़े पहनने से बचें क्योंकि वे खुजली या जलन पैदा कर सकते हैं
- उपचार के बाद कम से कम 48 घंटे तक तैराकी, सॉना, जकुजी, स्टीम रूम, हॉट शावर या स्नान से बचें
- अपने पहले सत्र के बाद मुलायम, चिकनी त्वचा की उम्मीद न करें। किसी एक हिस्से में छह से आठ उपचार सत्रों के बाद बेहतर परिणाम मिलते हैं।

ओरल हेल्थ से जुड़ा सम्पूर्ण स्वास्थ्य

दांतों या मुंह की सफाई और हाइजीन को लेकर काफी कुछ कहा जाता रहा है। खासकर आजकल, जब हमारे खानपान के तौर-तरीकों और खाद्य पदार्थों के स्वरूप में बहुत परिवर्तन आ गया है। ऐसे में ओरल हेल्थ को लेकर सजग रहना आवश्यक है। खासकर इसलिए भी क्योंकि ओरल हेल्थ से पूरे शरीर का स्वास्थ्य जुड़ा हुआ है।

खतरनाक शुगर

मीठा खाना अगर दांतों में सड़न या कैविटीज का कारण बन सकता है तो मीठे के रोग यानी डायबिटीज की वजह से भी दांतों में तकलीफ पैदा हो सकती है। यह तकलीफ आगे जाकर अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। मसूड़ों में होने वाली समस्या या बीमारियां अक्सर डायबिटीज के फैलाव की गति को और बढ़ा देती हैं।

बैक्टीरिया और हृदय

शोध बताते हैं कि ऐसे लोग जिनके मसूढ़ों या दांतों में समस्या बनी रहती है उन लोगों में सामान्य लोगों की तुलना में हृदय रोग होने की आशंका भी बढ़ जाती है। यह खतरा हृदयघात में भी बदल सकता है।

स्ट्रेस का असर

केवल शारीरिक तौर पर ही नहीं बल्कि मानसिक स्तर पर भी मुंह या दांतों की समस्या स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती हैं। तनाव या स्ट्रेस के कारण दांतों का जोर से किटकिटाना ऐसी ही एक तकलीफ है जो दांतों को गंभीर क्षति भी पहुंचा सकती है। इसी तरह डिप्रेशन से पीड़ित लोगों में भी दांतों या मुंह की तकलीफों से घिरने की आशंका हो सकती है।

एनीमिया का खतरा

कमजोरी यानी एनीमिया से पीड़ित लोगों को अक्सर मुंह में दर्द और कमजोरी की शिकायत होती है। इन लोगों की जुबान सूज जाती है और बहुत मुलायम हो जाती है। इस स्थिति को ग्लॉसिटिस कहते हैं।

किडनी संबंधी परेशानी

किडनी से जुड़े गंभीर संक्रमण या बीमारियां भी दांतों पर बुरा असर डाल सकते हैं। ऐसी स्थिति में कई बार वयस्कों में दांत टूटने तक का खतरा हो सकता है।

महिलाएं और तकलीफ

मुंह या दांतों से जुड़ी समस्याओं से बड़े पैमाने पर गर्भवती महिलाएं भी जूझती हैं। ऐसी महिलाएं जिन्हें गर्भावस्था के दौरान मसूड़ों या दांतों संबंधी संक्रमण होता है उनके बच्चों के छोटे रहने या प्रीमैच्योर होने की आशंका भी बढ़ जाती है। यही नहीं दांतों की गंभीर समस्या से ग्रसित महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

नन्हें पैरों की पीड़ा

सही समय पर दीजिए ध्यान

बच्चों के मामले में तकलीफ का सामान्य स्तर पर होना भी ज्यादा परेशानी पैदा कर सकता है। ऐसे मामलों में पीड़ा से भी अधिक समस्या बच्चे को प्राकृतिक तौर पनपने में पैदा होने वाली परेशानी को लेकर होती है। बच्चों में पैरों संबंधी तकलीफों के संदर्भ में भी यही बात सामने आती है इसलिए सजगता आवश्यक है।

जब चलना भी मुश्किल होने लगे

छोटे बच्चों के विकास का महत्वपूर्ण चरण होता है उनका चलना। चलने की शुरूआत का यह समय हर बच्चे में अलग हो सकता है। कोई बच्चा 11 माह में ही चलना शुरू कर सकता है तो किसी को एक साल से भी ऊपर का समय इस प्रक्रिया में लग सकता है। यह एक सामान्य बात है लेकिन इस समय के बाद भी चलने में मुश्किल खड़ी हो तो डॉक्टर से परामर्श लेना आवश्यक है। ठीक इसी तरह यदि बच्चा चलने या खड़े होने में टखनों और तलवों में दर्द या असहजता की शिकायत करता है तो इसे भी गंभीरता से लेने की जरूरत है। खासतौर पर अगर दर्द या तकलीफ 4-5 दिनों में साधारण उपायों से ठीक नहीं होती तो।

प्रमुख समस्याएं

बच्चों में पैरों या तलवों के दर्द और असहजता से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं और इनमें से कुछ गंभीर भी हो सकती हैं। लेकिन त्वरित और सही इलाज के साथ कई बीमारियों को ठीक भी किया जा सकता है।

बच्चों को परेशान करने वाली कुछ बीमारियां हैं-पीडियाट्रिक फ्लैट फुट: इस समस्या से ग्रसित ज्यादातर बच्चों में इसके लक्षण स्पष्ट नहीं होते। फिर भी कुछ बच्चे दौड़ने-भागने, चलने या फिजिकल एक्टिविटी के दौरान असहजता अथवा पैरों, घुटनों में दर्द महसूस कर सकते हैं। ऐसे में त्वरित इलाज और मार्गदर्शन से काफी राहत मिल सकती है।

इनग्रोन टोनेल्स: पैर के नाखून एक तरह का सुरक्षा कवच भी होते हैं और ये महत्वपूर्ण भी होते हैं। ऐसे में पैरों के नाखूनों का अंदर की ओर मुड़ा हुआ होना तकलीफदेह हो सकता है। यह परेशानी कई बार अनुवांशिक भी हो सकती है या फिर नाखूनों को गलत तरीके से काटने, बहुत टाइट जूते-मोजे पहनाने से भी यह दिक्कत पनप सकती है। ऐसी स्थिति में ध्यान न देने पर गंभीर इन्फेक्शन हो सकता है। इसलिए इस तरह के नाखूनों के लिए चिकित्सक की मदद लें।

नजरअंदाज न करें तकलीफ

इन सबके अलावा अन्य कुछ संक्रमणों, अंदरूनी कमजोरी या अनुवांशिक कारणों से बच्चे में पैरों से जुड़ी समस्या जन्म ले सकती है। यदि बच्चा लगातार पैरों में दर्द, जलन या असहजता की शिकायत करता है और उसकी शिकायत सामान्य उपायों से दूर नहीं होती तो डॉक्टर से परामर्श लेना आवश्यक है।

कैल्सिनाल एपोफाइसाइटिस : 8-15 साल तक के बच्चों को परेशान करने वाली यह समस्या एड़ियों में सूजन और दर्द पैदा कर डालती है। चूंकि इस उम्र तक एड़ी की हड्डी पूरी तरह विकसित नहीं हुई होती। ऐसे में हील पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव परेशानी खड़ी कर सकता है।

प्लांटर वार्ट : पैरों में किसी भी जगह वार्ट या दाने उभर सकते हैं लेकिन पैरों के निचले हिस्से में इनका उभरना विशेषतौर पर कष्टदाई हो सकता है। ये प्लांटर वार्ट्स कहलाते हैं। ये एक तरह का वायरल इन्फेक्शन होता है जो शरीर में और भी जगहों पर पनप सकता है। ध्यान न देने पर यह त्वचा में काफी अंदर तक वृद्धि कर सकता है, जिसकी वजह से बच्चे को खड़े रहने, चलने-फिरने में तकलीफ हो सकती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शुभमन गिल ने अफेयर की खबर पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान इन दिनों क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ अपने नजदीकियों की वजह से सुर्खियों में हैं। दोनों को अक्सर साथ में स्पॉट किया जाता है। अब एक चैट शो के दौरान शुभमन ने सारा के साथ अफेयर की खबरों पर रिएक्ट किया है। पॉपुलर पंजाबी चैट शो 'दिल दीयां गल्लां' में शुभमन से पूछा गया, बॉलीवुड की सबसे फिट फीमेल एक्ट्रेस कौन है? शुभमन ने तुरंत सारा का नाम लिया। फिर उनसे पूछा गया, क्या वो सारा को डेट कर रहे हैं? इस पर शुभमन ने कहा, 'शायद'। उसके बाद जब शुभमन से पूछा गया, सारा का सारा सच बताइए। तो क्रिकेटर ने शरमाते हुए कहा, सारा दा सारा सच बोल दिया। शायद हां, शायद नहीं। सारा और शुभमन को अक्सर साथ में स्पॉट किया जाता है। हाल ही में दोनों का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें सारा फ्लाइट में कुछ फैंस के साथ सेल्फी लेती हुई नजर आ रही थीं। सारा के बगल वाली सीट पर शुभमन दिख रहे थे। वहीं कुछ दिन पहले उन्हें मुंबई के एक रेस्टोरेंट में डिनर करते देखा गया था। इसके अलावा उन्हें दिल्ली के एक होटल के बाहर भी स्पॉट किया गया था। सारा और शुभमन के फैंस अब इस इंतजार में हैं कि दोनों अपने डेटिंग की बात को कब ऑफिशियल करेंगे।

इंटरनेशनल डेब्यू के लिए ऋचा चड्ढा ने तैयारी की पूरी

एक्ट्रेस बॉलीवुड की फिल्में नहीं बल्कि सीधे हॉलीवुड में छलांग मारने जा रही हैं। जिसको लेकर अब एक्ट्रेस ने सब कुछ साफ कर दिया हैं। खबर के अनुसार ऋचा चड्ढा इंटरनेशनल सिनेमा में अपनी एक्टिंग स्किल्स दिखाने के लिए तैयार हैं। एकट्रेस ब्रिटिश डायरेक्टर की फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू करेंगी। वही ऋचा इस पर बात करते हुए कहा की अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन हां, मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी है और तय किया कि इसके लिए हामी भर दूं। कहानी बहुत अच्छी है और मुझे मेरा कैरेक्टर पसंद आया। यह देख कर बहुत अच्छा लगता है कि इंटरनेशनल प्रोडक्शन्स में इंडियन एक्टर्स के लिए महत्वपूर्ण किरदार लिखे जाते हैं। बता दे की ऋचा ने इसे पहले भी एक इंटरनेशनल फिल्म कर चुकी हैं। जहां ऋचा ने 'लव सोनिया' में एक्टिंग की थी, जिसका प्रोडक्शन डेविड वोमार्क ने किया था। फिल्म का निर्देशन इंडियन डायरेक्टर तबरेज नूरान ने किया था। लेकिन अब यह ऋचा की पहली इंटरनेशनल फिल्म होगी, जिसमें वह लीड एक्ट्रेस के तौर पर दिखेंगी। वही अब ऋचा के फैंस ये खबर सुनकर काफी खुश नजर आ रह हैं। और एक्ट्रेस को अभी से ही ढेरो बधाइयां देते हुए भी दिख रहे हैं।

...टूटे आमिर खान

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान दिल्ली में एक इवेंट शो में हिस्सा लिया। लाल सिंह चड्ढा के बाद पहली बार अपने नए लुक के साथ पब्लिक के सामने आए। ग्रे हेयर, कोट और चश्मा लगाए आमिर का लुक काफी बदला हुआ लग रहा था। इस इवेंट में एक्टर ने कई सारी बातों पर खुलकर बात की। वहीं एक्टिंग से ब्रेक की घोषणा के साथ अपने फ्यूचर प्लॉन के बारे भी बताया। इवेंट के दौरान आमिर खान ने कहा कि जब मैं एक एक्टर के रूप में एक फिल्म कर रहा होता हूं, तो मैं उसमें इतना खो जाता हूं कि मेरे जीवन में और कुछ नहीं होता है। लाल सिंह चड्ढा के बाद मुझे चैंपियंस फिल्म करनी थी। यह एक सुंदर कहानी है, और यह एक बहुत ही हार्ट टचिंग और प्यारी फिल्म है। इसी के साथ उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि मैं एक ब्रेक लेना चाहता हूं, अपने परिवार के साथ, अपनी मां के साथ, अपने बच्चों के साथ रहना चाहता हूं। मुझे लगता है कि मैं 35 साल से काम कर रहा हूं। मेरे हिसाब से यह उन लोगों के लिए सही नहीं है जो मेरे करीब है। इसलिए अब मुझे लगता है कि मुझे छुट्टी लेनी चाहिए और लाइफ को एक अलग तरीके से अनुभव करना चाहिए। मैं अगले साल का इंतजार कर रहा हूं, डेढ़ साल जिसमें मैं एक एक्टर के रूप में काम नहीं कर रहा हूं।